- (b) As per the epidemiological studies conducted in some of the advanced countries by the United Nations Environment Programme; it has been found that the use of petrol with higher lead content increases the ambient air lead levels which in turn may result in increased level* of lead in human blood.
- (c) While lead free petrol has been marketed in Japan since the seventies, it is gathered that until recently, leaded grades of petrol were also permitted to be marketed.
- (d) Low lead petrol is already being supplied in several parts of the country. Projects involving installation of plants and facilities in refineries for further reducing lead content are in different stages of implementation.

43.2 हिती खेल्टी ग्रेड की दर पर लाइट डीजल आयश (एक: डी: ओ:) भरना

- 1227. जी शासीशाम सरावारः : क्या पेट्रोशियम सीर प्राकृतिकः शैक मंत्री सह सहाने की क्या करेंगे कि :
- (क) क्या का सब है कि इंडियन आयल कारपेरिशन (आई॰ ओ॰ सै॰) टैकरों में लाइट डीअल आयल (एक॰ डी॰ ओ॰) 43.2 डिपी सेन्टर ग्रेड की बर पर मरवाकर अपने ग्रहकों के 340 कोटर प्रति टैकर का बाटा पहुंचा रहा था।
- (ख) यदि हां, से क्या इंडियन श्रायता कारपेरिजन हारा इस प्रकार आर्थित किए गए तीन करोड स्पए संबंधित प्राहकों को समस्र किये बाएंगे: और
- (ग) इस सरकारी क्षेत्र के उपक्रम क्ष्यांत् (इंडियन सायल कारपेरिजन) के शन अधिकारियों के क्लिड क्या कार्यवाद्ये की धाएगी को इस प्रकार की घोखामुद्री के क्षिए जिम्मेवार हैं •

पेट्रोसियन और प्राकृतिक मैच मंत्राताय के राज्य मंत्री (कैंग्टन चर्ताश सम्मा): (क) सवान के समय एकः बै॰ को॰ का तापमान व्यसपास के तापमान से व्यधिक हो सकता है। उपमोक्ताओं को इस वंतर के प्रति प्रतिपूर्ति करने डेतु सरकार ने 25-9-1992 से एकः डी॰ ओ॰ पर "तापमान परिवर्णन मस्ता" को क्रमुमित दे थी है।

(का) कीर (ग) उपर्युक्त (क) की दृष्टि से प्रसन नहीं उठता।

देश में प्राकृतिक गैस के भंदार

1228. औ वीरेम के शाह

श्रीमती सुवना स्वराज: क्या पेट्रोकियन और पाकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने वेश में उपलब्ध प्राकृतिक गैस के भेडारों या क्रांक्शन किया है:
- (ख) यदि खा, से मार्च, 1992 के श्रन्त तक गैस मंडारों की कुल मात्र फितनी थी:
- (ग) उक्त मंडारों में से प्रमुक्त की जा सकने वाली गैस मंडारों की मात्रा कितनी है;
- (व) क्या सब है कि देश की विभिन्न परिकेशनाओं से प्राप्त होने वाली प्रकृतिक गैस का पूर्णत: उपयोग नहीं किया वा रहा है:
- (क्र) यदि क्रं, तो वर्ष 1992 में कुल उत्पादित प्रयुक्त प्रकृतिक गैस में से कितने प्रतिक्षत गैस में से कितने प्रतिक्षत गैस का प्रयोग किया गया था; और
- ् (च) प्रमुक्त की गई गैस का क्षेत्रवार श्रीर मात्रावार क्यौरा क्या डे १

पेट्रोक्तियम और प्राकृतिक गैस मंत्रावाय के राज्य मंत्री (कैप्टम सर्वाश शर्मा) : (क) और (स) स्तामा 700 मिकियम सन मेटर।

- (ग) यह श्रमुमान सगाया गया है कि ये भंडार लगमग 15 वर्षों की श्रवधि तक 80 एम॰ एम॰ एस॰ सी॰ एम॰ डी॰ से समिक उत्पादन कायम रख सकेंगे।
- (घ) और (इ.) वर्ष 1992-93 में सगमग 90% गैस का उपयोग किया गया था।
- (च) वर्ष 1992-93 में रीस का क्षेत्रवार प्रयोग निम्नानुसार का:—

(एम॰ एम॰ एस॰ सी॰ एम॰ डी॰)

बेत्र	প্রাपূর্তি	स्रांतरिक प्रयोग
बै॰ सार्व बैं॰ सी॰	29.57	4.55
डम्क् सारः 🖦 सीः	3.94	0.76
ईo सारo बीo सीo	2.53	1.29
एसः सारः 🖚 🚓	1.39	1.01
एस० इ० बी॰ सी॰	0.32	0.00
खोः एनः जीः सी ः	37.75	6.61

कच्चे तेल के उत्पादन हेतु बिटिश धोक्रोगिकी को आकृष्ट करना

1229. श्री राम जेठमतानी

श्रीमती धुषमा स्वराजः क्या पेट्रोकियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृण करेंगे कि: